बाबा मुक्तानन्द द्वारा दी गई सिखावनियाँ

वर्ष २०१८ में बाबा मुक्तानन्द की महासमाधि के सम्मान में एक सिखावनी

सिखावनी # १ :

इस संसार की प्रत्येक जीवात्मा, परम आत्मा का अपरिहार्य अंश है
जो सदैव भगवान से पुनर्मिलन की खोज में रहती है।[१]

~ बाबा मुक्तानन्द

[1] स्वामी मुक्तानन्द, "True Happiness Lies Within," *Baba Company,* से मई / जून, पृ. २

©२०१८ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।